RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

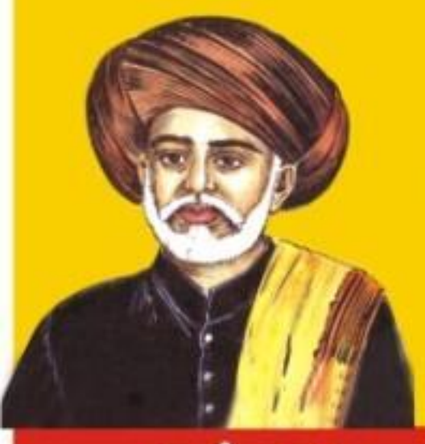

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

• वर्ष : 11 • • अंक 129 • • मार्च, 2016 • • मूल्य : 15/- •

जोधपुर का ऐतिहासिक शीतलाष्टमी कागा मेला

भारतवर्ष में विभिन्न संस्थानों द्वारा सावित्री बाई फुले की पुण्यतिथी पर कार्यक्रम की झलकियां

मुबंई व पुणे में आयोजित समारोह की झलकियां

ठाणे में आयोजित समारोह की झलकियां

बर में आयोजित समारोह में उपस्थित माली महासभा के प्रदेशाध्यक्ष श्री ऊँकारराम कच्छवाहा व मोती बाबा फुले (अध्यक्ष, महात्मा ज्योति बा फुले जागृति मंच)

विश्व हिन्दू परिषद के
राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रवीण तोगड़िया
का सिरोही में नगर पालिका
अध्यक्ष श्री ताराराम माली साफा
पहना कर स्वागत करते हुए।
साथ ही माली समाज के समाज सेवी
श्री शातिलाल सुदेशा (चैन्नई)
श्री तोगड़िया को तलवार भेंट कर
सम्मान करते हुए।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

माली सैनी सन्देश

सम्पादक मण्डल

● वर्ष :11 ● अंक 129 ● 30 मार्च, 2016 ● मूल्य : 15/- प्रति

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

माली सैनी समाज के विभिन्न सामूहिक विवाह समारोह में सैकड़ों नवयुगलों ने थामा एक दूसरे का हाथ

- सम्पादकीय
- माली सैनी समाज के विभिन्न सामूहिक विवाह समारोह में सैकड़ों नवयुगलों ने थामा एक दूसरे का हाथ
- बरसो पहले 'लव-कुश' के पालने मे आई , संस्थान ने पाला -पोसा और शादी भी कराई, अब भरा मायरा
- सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 24 जोड़े बंधे बंधन में, फेरों के बाद ली कन्या भ्रूण बचना की शपथ
- अलवर माली समाज के विवाह फेरों में आठवां वचन : 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओं'
- भरतपुर व इंदौर में हुए सामूहिक विवाह समारोह की झलकियां
- राष्ट्रीय जागृति संस्था, जालोर की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन
- भारत सेवा संस्थान एवं द्वारा आयोजित शिविर में हजारों निशक्तजनों को उपकरण वितरित
- मेरा सपना है कोई नि:शक्तजन सुविधाओं से वंचित नहीं रहे- श्री अशोक गहलोत
- जोधपुर में आयोजित रावजी की गेर में उमड़ा समाज
- पोकरण के भोमराज गहलोत ने बनाई मोबाईल से चलने वाली कार
- महात्मा फूले जयंति पर ''द्वितीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर''
- श्री महेन्द्र देवड़ा के इंटक अध्यक्ष बनने पर समाज ने किया स्वागत
- अखिल भारतीय महासभा की बैठक
- दिल्ली में यूपीएससी कोचिंग हेतु नि: शुल्क छात्रावास
- कामगार सेवा की तीसरी बैठक हुई
- छगन भुजबल की गिरफ्तारी पर महाराष्ट्र विधान सभा में हुआ हंगामा
- पंजाब में सैनी समाज नजर अंदाज : चुन्नी
- उज्जैन में प्रतिभाशाली बच्चों को किया पुरस्कृत
- पीले चावल बांटकर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण
- जोधपुर का ऐतिहासिक शीतलाष्टमी मेला
- पूर्व राजस्व अधिकारी श्री कृष्ण सैनी बने दिल्ली विद्युत विनियामक के चैयरमेन
- समाज सूधार किसी एक व्यक्ति से नहीं हो सकता - श्री राजेन्द्र गहलोत
- नारी शिक्षा की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फूले की 119वीं पुण्य तिथि पर देश भर में हुए विभिन्न कार्यक्रम शिक्षा के लिए जागृति का आव्हान
- ज्योति मौर्या बनी एसडीएम माली समाज की न्यात आयोजित

सम्पादक की कलम से . . .

भारतीय जीवन में पर्व परम्पराओं व त्यौहारों ने विभिन्न रंग बिखेर रखे है। विभिन्न प्रांतों में होने वाले त्यौहारों एवं मेलों की अपनी एक अनुठी शैली होती है। शैली की यही विलक्षणता जीवन में विशेष उत्साह का सृजन करती हैं। छोटे बड़े, जवान बूढ़ें, स्त्री पुरूषों में उमंगों को तरंगित करती है।वर्तमान में तनावपूर्ण वातावरण को कुछ पल, कुछ दिनों के लिये हर्षोल्लासमयी बना देती है। हमारे पुरखों ने सामाजिक परिप्रेक्ष्य में मेले एवं त्यौहारों की परम्पराओं को अधिष्ठित कर प्रत्येक जीवन को खुशनुमा बनाने के लिये अपने अनुभवों की परिपक्वता की पुष्टि की है। इन्हीं पर्वो एवं त्यौहारों की कडी मे जोधपुर के मण्डोर क्षेत्र में होने वाला राव का मेला अती प्रख्यात है। राव राज में सबसे महले महाराजा फतहसिंह जी ने इसे अपने शासनकाल में इस पारंपरिक मनोरजंन के रूप में चालू किया था। राव तथा होद में राव के साथ कूदने वालों को पारितोषिक के स्वरूव गुड़ व धान दिया जाता था जो उस समय अच्छे पारितोषिक के रूप में माना जाता था व पाने वाला अपने आप को भाग्यशाली समझता था। मण्डोर प्रांरभ में जोधपुर रियासत की राजधानी हुआ करता था तभी से इस राव मेले का चलन है जो आज भी सभी को आकर्षित करता है

जहां तक इतिहासविद् बताते है कि संवत 1948से पहले राव फूलबाग (मण्डोर) का ही होता था। राव बनाने का अधिकार केवल फूलबाग के निवासियों को ही था। फूलबाग के निवासी मिलकर गैर बनाते थे। उस समय फूल बाग के लोग गैर तैयार करते थे व नागौरी बेरा को सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। समाज के प्रभावशाली नव विवाहित युवक को छापा लगाकर राव की उपाधि देकर उसे फूलमालाओं से लाद कर तैयार करते थे। इसके साथ ही अन्य प्रकार के स्वाँग बनाते अर्थात अपना रूप बहुरूपियों सा बना लेते थे। मण्डोर की अन्य बस्तियों (बेरों) - खोखरियो, मण्डावता, भिंयाली बेरा, गोपी बेरा , आमली बेरा के निवासी गैरें बनाकर राव की गैर में सम्मलित होते थे। राव को आगे नाचते, गातें सभी गैरें उसके पीछे अन्य गैरियें मण्डोर की अजित पोल से होते हुए जनाना बाग में प्रवेश करते थे वहां स्थित जनाना बाग में स्थित जल-कुण्ड में सर्व प्रथम राव बना युवक कूदता है उसके पीछे पीछे अन्य गैरियें भी कुण्ड में कूद कर तबीयत से गैर खेलते थे। इस जल क्रीडा के बाद सभी हवाला कोटडी आते इस रस्म के बाद राव का मेला संपन्न हो जाता था और सभी विसर्जित हो जाते थे।

इस दौरान राव को किसी प्रकार की किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाये, कोई उत्पात न करें, इसकी रोकथाम के लिये मायली मण्डावता को संरक्षणार्थ नियत किया गया है। मण्डावता वाले इस राव की रक्षापंक्ति होती है। यह रक्षापंक्ति खोखरिया बेरा राव को लेने आती है उसको आमंत्रित करती है। इस आमंत्रण के बाद राव नाचता कूदता गैर के आगे आगे चलता है और अन्य गैरियें उसके पीछे पीछे ढ़ोल थाली की झंकार पर फाल्गुनी गीत गाते, नाचते कूदते हुए आम्बलिया बेरा पहुंचते है। बही भाटों से पता चलता है कि आमली वाला बेरा श्री घासीराम गहलोत को उनके पूर्वजों ने खुदवाया था स्वर्गीय श्री घासीराम ने यह बेरा व जमीन रूपजी पुत्र श्री नेबजी गहलोत एवं स्वर्गीय श्री भोमजी पुत्र री खूमजी गहलोत चचेरे भाईयों बेच दिया। बताते है कि संवत् 1948 के आसपास एक बार किसी विवाद को लेकर फूलबाग में आपसी संघर्ष हो गया। जिससे खिन्न होकर फूलबाग के निवासियों ने राव को पांच रूपये में खोखरिया बेरा के निवासियों को बेच दिया। खोखरिया बेरा के निवासियों को यह अधिकार दिया गया कि अब भविष्य में राव खोखरिया बेरा का ही होगा, तीाी से आज पर्यन्त राव खोखरिया बेरा का ही होता है। गैर सर्वप्रथम समस्त बेरों, मोहल्लों में घुमाई जाती है तत्पश्चात् सभी एक जगह एकत्र हो जाते है।

अत: रूपजी के पुत्र छोगजी व छोग जी के पुत्र श्री छंवरलाल जी व हेमसिंह जी गहलोत जो पंच थे एक साल राव को छाप लगाते तथा दूसरे साल भोमजी के पुत्र स्वर्गीय श्री तिलाराम व तिलाराम के पुत्र श्री संतोष एवं श्री लक्ष्मीनारायण जो पंच थे । राव का मेला होली दहन के बाद रामाशामा का शाम 3.45 बजे से खोखरिया बेरा से राव की गैर ढ़ोल मंजिरों के साीा सज धज कर मण्डावता वालों की अगुवाई में रवाना होती है।

ऐसे लोग छाप लगाकर उस समारोह का विधिवत् राव घोषित किया जाता है। जब राव आगे बढ़ता गया त्यों त्यों अन्य मोहल्ले भिंयाली बेरा, गोपी बेरा, बड़ा बेरा आदि की गैरे भी इसके साथ शामिल होकर राव की गैर को वृहद् रूप प्रदान करते है। मण्डोर का राव मेला बहुत मशहूर है। इसे देखने के लिये लोग उत्साहित रहते है। इसे देखने के लिए जोधपुर के अलावा विभिन्न गांवों से अनेकों लोग राव को देखने के लिए आते है। भाटों की बहियों में अंकन से मालूम होता है कि तत्कालीन राजा महाराज भी इस राव को देखने आते थे। मण्डोर जब जोधपुर की राजधानी थी तब गैरें राजघरानों में जाती थी। रानियाँ महारानियाँ इन्हे देखकर आत्मविभोर होती थी। प्रमण मिले है कि सर प्रतापसिंह जी, किशोरसिंह जी, अधिकांशत: राव को देखने आते थे। इस हँसी खुशी के माहौल में अपनी भागीदारी भी निभाते थे। मण्डोर उद्यान के गेट के बाहर तक सुंदर लोक गीतों वाले होली के गीत गायें जाते है तथा गेट के अंदर जाने के बाद शुद अश्लील फाग गाता है अगले वर्ष उसके लिए शुभ होता है ऐसा पूर्वज कह गये है।

पारम्परिक मण्डोर का राव मेला ...

मनीष गहलोत

प्रधान सम्पादक

आज तक सबसे ज्यादा बार राव बनने का श्रेय खोखरिया बेरा निवासी श्री मेघसिंह गहलोत पुत्र श्री प्रभुदयाल को जाता है जो सात बार राव बनें उसके बाद उनके परिवार के ही श्री जगन्नाथ गहलोत तीन बार राव बने है।

वर्तमान में आधुनिक मनोरंजन के साधनों के बावजूद इस राव के मेले का चाव लोगो के जहन में आज भी मौजूद है। होली के बाद दूसरे दिन रामासामा के दिन इस मेले का आयोजन किया जाता है। यह राव आज भी अपनी पहचान को यथावत् बनाये हुए है। राव का बहुरूपियापन आज भी लोगों के दिलों को प्रसन्नता, हंसी माज से सरोबार करता है।वर्तमान में तनावपूर्ण जीवन में कुछ पल ही सही किंतु खुशियां का संचरण करता ही है। सुखद अनुभूति का अससास करता है राव का मेला।

राव की गेर के बारे में विस्तृत जानकारी देने के लिए श्री जगन्नाथ सिंह गहलोत का हार्दिक आभार।

माली सैनी समाज के विभिन्न सामूहिक विवाह समारोह में सैकड़ों नवयुगलों ने थामा एक दूसरे का हाथ

परबतसर। कस्बे में माली (सैनी) समाज सामूहिक विवाह समिति छह गांव (मकराना, परबतसर , बोरावड़ बिदियाद, बड़ू , कालवा)के तत्वावधान में गुरूवार को सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में सामूहिक विवाह सम्मेलन में का आयोजन हुआ । विवाह सम्मेलन में माली समाज के 36 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे । गुरूवार को आयोजित कार्यक्रमों के तहत सुबह 7 बजे मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया । सुबह 7:30 बजे झंडारोहण का कार्यक्रम हुआ । सुबह साढ़े

8 बजे सामेला एवं उपहार के कार्यक्रम आयोजित हुए । इसके बाद बैंडबाजों व गाजे-बाजे के साथ सभी दूल्हो की सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम से शहर के मुख्य मार्गो से होकर बिंदौरी निकाली गई । इसके बाद 36 दूल्हों ने एक साथ तोरण मारने की रस्म निभाई । वर- वधुओं ने एक -दूसरे को वरमाला पहनाई । इस मौके पर विधायक मानसिंह किनसरिया , नागौर सभापति कृपाराम सोलंकी, पूर्व विधायक मोहनलाल चौहान , पूर्व विधायक महेन्द्र चौधरी , चेतन डूडी , अखिल भारतीय माली सेवा संस्थान पुष्कर के अध्यक्ष ओंकरराम कच्छावा , नगर निगम अजमेर के महापौर धर्मेंद्र गहलोत , ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लच्छाराम बढारडा गिरधारीलाल मुंदलिया , लक्ष्मणराम बढारढा , पालिकाध्यक्ष रूचि बोहरा , रमेशचंद बोहरा, माधोप्रसाद व्यास , रामनिवास दिंवाकर, पंकज पुरोहित, रामस्वरूप झंवर , ओमप्रकाश सेन भारत विकास परिषद के अध्यक्ष धीरज कौशिक, विकास समिति अध्यक्ष राजेश गर्ग , सैनी ,वर्ल्ड इकोनॉमी फॉर्म के सुभाषचंद्र सैनी, नेमीचंद देवड़ा नागौर , जितेन्द्र पंवार पार्षद नागौर भंवरलाल तंवर नागौर , ताराचंद गहलोत परबतसर , माली समाज परबतसर के अध्यक्ष ओमप्रकाश सांखला ,दिनेशचंद, किशनगोपाल दगदी, रामप्रसाद तंवर, हनुमानप्रसाद, गणपतलाल सोलंकी ,भंवरलाल , नौरतमल, मंजू भाटी ,किरण दगदी , घनश्याम बागड़ी सत्यनारायण मालाकार, शंकरलाल टाक , उपाध्यक्ष लोकेश सैनी , फतेहचंद सैनी , प्रेमप्रकाश दगदी, गोविंद भाटी, ओमप्रकाश सोलंकी, गणेश सोलंकी सहित छह गांवो के माली समाज के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सहित कई लोग उपस्थित थे।

फिजुलखर्ची से मिलेगी मुक्ति : किनसरिया

इस अवसर पर विधायक मानसिंह किनसरिया ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से समाज में फिजूल खर्ची , बाल विवाह , दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों से मुक्ति मिलती है। ऐसे आयोजनों को सफल बनाने में सहयोग करना चाहिए । कांग्रेस जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन गैसावत ने कहा कि ऐसे आयोजनो से समाज को मजबूती मिलती है। उन्होने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा इस सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए उन्हे खास तौर से भेजा गया है ।

जयपुर में 15 व उज्जैन में 50 जोड़े ....

जयपुर। माली (सैनी) समाजकी ओर से सियाराम पैराडाइज गार्डन में हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के 15 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समाज के अध्यक्ष ओम राजोरिया ने बताया कि इस मौके पर समाज के जोड़ों को कन्या भ्रूण हत्या न करने की शपथ दिलाई गई। विवाह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, महात्मा ज्योति बा फूले राष्ट्रीय संस्थान के अध्यक्ष मांगीलाल पंवार, जुगल किशोर सैनी, श्रीकृष्ण सैनी, पार्षद गणेश सैनी, भंवरलाल सैनी, पूर्व पार्षद शीला सैनी, ग्यारसी लाल सैनी, छुट्टनलाल सैनी सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग भी शामिल हुए। समारोह में पधारें अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं दानदाताओं का संस्थान की ओर से सम्मान भी किया गया।

उज्जैन। श्री गुजराती रामी माली समाज मध्यप्रदेश के तत्वावधान में बंसत पंचमी पर 50 जोड़ों ने अपना नवजीवन प्रारंभ किया। समाज के प्रदेश सचिव गजानन्द जोशी ने बताया कि स्थानीय नृसिंह घाट परिक्षेत्र में आयोजित सामूहिक विवाह का इस वर्ष 9वां वर्ष था। सभी जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत दहेज भी प्रदान किया गया। समाज गौर श्री नवीन प्रवीण पांडया के आचार्यत्व में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। श्री रामी ने बताया कि पुरे प्रदेश से लगभग पन्द्रह हजार लोगों ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उज्जैन नगर निगम महापौर मीना जोनवाल, इन्दौर भाजपा महामंत्री श्री कमल वाघेला, पार्षद श्री राधेश्याम वर्मा, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गीता चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री यादवलाल चौहान, प्रदेश महामंत्री एवं उज्जैन एमआईसी सदस्य श्री सत्यनारायण चौहान, श्रीमती गीता रामी (पूर्व पार्षद), दुर्गेश वर्मा, माली समाज उज्जैन के अध्यक्ष श्री लीलाधर आड़तिया, श्री पुरूषोत्तम चौहान सहित नरेन्द्र नवगौत्री, सीएल वर्मा, मोहन आर्य, गोपाल बारोड़, जगदीश डोडिया, कैलाश वर्मा, राधेश्याम परमार सहित उज्जैन समाज की महिला टीम व अलग अलग गांवों से आये युवा टीम के लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद की।

जोधपुर यह दृश्य है नवजीवन संस्थान की ओर से अनाथ बेटी के मायरा भरने की रस्म का। बरसों पहले संस्थान के बाहर पालने में एक बच्ची को उसके मां बाप छोड गए थे। संस्थान ने उसे बेटी बना लिया । नाम दिया संतोष पढाया –लिखाया और छह साल पहले ससुराल विदा किया। संस्थान ने अपनी जिम्मेदारी यही तक नही समझी बल्कि रिश्ता निभाने शुक्रवार को संचालक के बेटे-बहू मायरा लेकर उसके ससुराल पाली पहुंचे।

6 वर्ष पहले संतोष की पाली निवासी मुकेश जोशी के साथ धूमधाम से शादी की। संतोष ने ससुराल में अपने देवर योगेश को गोद ले बेटा बनाया। हाल ही में वह अपने पीहर नवजीवन संस्थान आई तो संस्थान मुखिया श्री राजेंद्र परिहार ने मायरा भरने की इच्छा जताई। दुविधा में भी थे कि दो महीने पहले ही संस्थान के संस्थापक बाऊजी भगवानसिंह का निधन हो गया था। ऐसे मे ठीक रहेगा या नही परिहार की पत्नी शोभा , बेटे अभिनव और बहू मीनाक्षी ने कहा कि यह बाऊजी का ही संकल्प था । उसे पूरा करना होगा।

बरसो पहले
'लव–कुश' के पालने मे आई ,
संस्थान ने पाला –पोसा और
शादी भी कराई, अब भरा मायरा

सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 24 जोड़े बंधे बंधन में, फेरों के बाद ली कन्या भ्रूण बचना की शपथ

अलवर माली समाज के विवाह फेरों में आठवां वचन : 'बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओं'

अलवर। सैनी समाज सामूहिक विवाह एवं समाज उत्थान समिति की ओर से गुरूवार को मंगल परिणय मैरिज होम में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इसमे 24 जोडो का विवाह उत्साह दिखाई दे रहा था सामूहिक निकासी निकाली गई तथा बेटी बचाओ – बेटी पढाओ की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सैनी समाज पिछले कई वर्षो से सामूहिक विवाह करवा रहा है इससे अन्य समाजो को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। जिससे समाज में विवाह पर होने वाली फिजूल खर्ची पर रोक लग सकती है ।

सामूहिक विवाह से पूर्व मनुमार्ग स्थित सैनी स्कूल से दूल्हो की सामूहिक निकासी गई जो गोपाल टॉकीज रूम होपसकैस घंटाघर चर्च रोड मन्नी का चड होते हुए सुबह 11:30 बजे समारेह स्थल पर पहुची। बारात का स्वागत आजाद फल सब्जी मंडी युनियन तथा समाज के विभिन्न संगठनो की ओर से किया गया। दोपहर दो बजे आशीर्वाद समारोह हुआ। इस

अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा के जिलाध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा थे। विशिष्ट अतिथि कांग्रेस के जिलाध्यक्ष टीकाराम जूली , राजपा के जिलाध्यक्ष अभय सैनी , ऑल इंडिया सैनी समाज के राष्ट्रीय महासचिव राजकुमार सैनी थे। मंच संचालन जितेन्द्र खुराडिया ने किया।

आठवा वचन : बेटी बचाओ –बेटी पढ़ाओं

इस दौरान विवाहित जोडो का फेरो ने सात वचनों के बाद ' बेटी बचाओ, बेटी पढाओ का आठवा वचन दिया । इसके माध्यम से वर वधू को कन्या भ्रूण हत्था न करने की थी शपथ दिलवाई गई । कार्यक्रम के अंत में अतिथियो ने विवाह प्रमाण पत्र भी वितरित किए। सैनी समाज विद्यार्थी उन्नत शिक्षण समिति क सदस्य राजू सैनी व धर्मचंद सैनी ने बताया कि 27 पंडितो ने विवाह संपन्न कराया।

समिति के अध्यक्ष निरंजनलाल सैनी ने बताया कि यह समिति का 19 वां सामूहिक विवाह कार्यक्रम था समिति पिछले 18 सालो में 387 जोडो का सामूहिक विवाह करवा चुकी है। यह 19 वां समारोह था।

भरतपुर व इंदौर में हुए सामूहिक विवाह समारोह की झलकियां

राष्ट्रीय जागृति संस्था, जालोर की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

223 प्रतिभावन विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

सफलता के लिए समय प्रबंधन की नसीहत दी

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत सामग्री वितरण

धार। श्री गुजराती रामी माली समाज नौगांव धार द्वारा दिनांक 22 अप्रैल 2015 को मुख्यमंत्री नि:शुल्क योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ था। मुख्यमंत्री नि:शुल्क विवाह योजना के अंतर्गत सामग्री वितरण दिनांक 19.2.2015 को श्री गुजराती रामी माली समाज धर्मशाला नौगांव, धार में किया गया। इसके अंतर्गत 23 कन्याओं को 10 हजार रूपये की एफडी, 7 हजार रूपये का चैक एवं जेवर व बर्तन का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम श्री अशोक चौहान (अध्यक्ष श्री गुजराती रामी माली समाज नौगांव धार) की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि श्रीमती ममता जोशी (अध्यक्ष नगरपालिका धर) श्री यादवलाल चौहान (प्रदेश अध्यक्ष श्री गुजराती रामी माली समाज म. प्र.)विशेष अतिथि श्री अनिल जैन (भाजपा नगर अध्यक्ष, धार), श्री गजानन्द रामी (प्रदेश सचिव गुजराती रामी माली समाज म.प्र.), श्री लालचंद मकवाना (पूर्व अध्यक्ष श्री गुजराती रामी माली समाज नौगांव धार), श्री राजेश चौहान (पार्षद एवं सामूहिक विवाह अध्यक्ष) उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री बाबूलाल चौहान (साख संस्था अध्यक्ष), राजेश हारोड (पार्षद), राजेश चावड़ा (अध्यक्ष श्री रामी माली हाईस्कूल), संजय मकवाना (युवा संगठन अध्यक्ष श्री गुजराती रामी माली समाज, नौगांव, धार) एवं समाज के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित एवं राम दरबार के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। मुख्य अतिथियों को स्वागत समाज के श्री अशोक चौहान, सामूहिक विवाह अध्यक्ष राजेश चौहान (पार्षद), श्री बाबूलाल चौहान, श्री राजेश हारोड़, श्री गेंदालाल टाकोलिया, श्री लक्ष्मीकांत परमार, श्री भैरूलाल डोडिया, बालाराम चावड़ा, कमलेश डोडिया, ओमप्रकाश हारोड़, सुरेश चावड़ा, प्रेम हारोरे, शंकरलाल हारोरे, श्रीमती रूखमाबाई डोडिया, श्री बाबूलाल परमार, श्री कनीराम कामदार, श्री हेमराज डोडिया, रमेश मोरे द्वारा किया गया।

समाज अध्यक्ष श्री अशोक चौहान ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथियों द्वारा 23 वधुओं को सामग्री का वितरण किया गया। संजय मकवाना ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश मकवाना द्वारा किया गया। यह जानकारी सचिव गेंदालाल टाकोलिया द्वारा दी गई।

भारत सेवा संस्थान एवं द्वारा आयोजित शिविर में हजारों निशक्तजनों को उपकरण वितरित

मेरा सपना है कोई नि:शक्तजन सुविधाओं से वंचित नहीं रहे– श्री अशोक गहलोत

जोधपुर। भारत सेवा संस्थान की ओर से रामबाग में आयोजित निशक्तजन शिविर के पहले दिन 574 निशक्तजनों को निशुल्क उपकरण वितरण करने के साथ ही 236 लोगों की आधुनिक मशीन से कान की जांच की गई । भारत सेवा संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सोमवार को शिविर का उद्घाटन किया। गहलोत ने शिविर की आवश्यकता से लेकर योजना बनाने पर प्रकाश डाला। संस्थान के उपाध्यक्ष श्री राजीव अरोड़ा, डॉ. अजीत बाफना, श्री डी. आर. मेहता एवं श्री गिरधारी बाफना ने भी अपने विचार रखे।

भारत सेवा संस्थान के चिकित्सा प्रभारी नरपत कच्छवाह के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने शिविर में 182 लोगो को ट्राई साइंकिल, 77 को व्हील चेयर, 34 को बैसाखी, 41 को कैलिपर, 16 को कृत्रिम पैर, 236 की कान जांच के अलावा 574 उपकरण निशक्तजनो में वितरित किए गए। इस अवसर पर भगवान महावीर विकलांग सेवा संस्थान के सर्वश्री भूपेद्रंराज मेहता, वैभव गहलोत, राजेंद्रसिंह सोलंकी, जयवंतसिंह कच्छवाह, सुनील परिहार, शांतिलाल लिंबा, इकबाल खान, संतोष चौहान, श्रीमती सुशीला बोहरा, श्रीमती कुसुम भंडारी , महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती मनीषा पंवार, श्रीमती रेखा लोहिया, श्रीमती कुंती देवड़ा, डॉ. निजाम, देवीसिंह देवड़ा, राजेंद्र परिहार, हनुमान सिंह खांगटा, राजेश गहलोत, डॉ. अजय त्रिवेदी, धनपत गुर्जर, आनंद सिंह, प्रीतम शर्मा , धीरेंद्र टाक , एम्स के जसवंत टाक सहित कई कांग्रेसजन एवं अन्य लोग मौजूद थे।

उपकरण वितरण और कंप्यूटराइज्ड मशीन से जांच : शिविर में कुल 195 कान की मशीन, 182 ट्राईसाइकिल, 77 व्हील चेयर, 34 बैसाखी, 4 कैलीपर्स , 16 कृत्रिम हाथ एवं 29 कृत्रिम पैर सहित कुल 574 उपकरण वितरित किये गये । वही 236 लोगो के कान की जांच कंप्यूटराइज्ड मशीन द्वारा की गई ।

चार दिवसीय शिविर का समापन समारोह गुरूवार दिनांक 17.03.2016 को आयोजित किया गया। भारत सेवा संस्थान एवं केम्प प्रभारी नरपत सिंह कच्छवाहा ने बताया कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं अध्यक्षता भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के संस्थापक एवं संरक्षक श्री डी.आर. मेहता एवं विशिष्ट अतिथि भूपेन्द्रराज मेहता, प्रवीण सुराणा, सुरेश गांधी, हुकमीचंद मेहता थे।

श्री अशोक गहलोत ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के अत्याधुनिक युग में नि:शक्तजन किसी से कम नहीं है और इस शिविर के आयोजन से मेरा सपना है कि कोई भी नि:शक्तजन ऐसी सेवाओं से वंचित ना रहे और अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से अपने पैरों पर चलकर अपने जीवन की राह को आगे बढ़ाऐं एवं संस्थान हमेशा भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के साथ अगला केम्प पाली में आयोजित किया जाएगा और भारत सेवा संस्थान हमेशा नि:शक्तजनों की सेवाओं हेतु हमेशा तत्पर रहेगा। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के संस्थापक एवं संरक्षक श्री डी.आर. मेहता साहब ने इस शिविर के व्यवस्थित एवं सफलतम आयोजन के लिए भारत सेवा संस्थान एवं पूर्व मुख्यमंत्री महोदय का आभार जताया एवं इस शिविर से प्रेरणा

लेकर भारत सेवा संस्थान के साथ मिलकर राजस्थान के अन्य क्षेत्रों में भी सहायता शिविर आयोजित करने का कहा। संस्थान एवं केम्प प्रभारी ने अपने उद्घोषण में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं इस विशालतम शिविर के सफलतम आयोजन के लिए पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का आभार जताया एवं शिविर में उपस्थिति सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

केम्प प्रभारी कच्छवाहा ने बताया कि मुख्य अतिथियों द्वारा इस शिविर में सहयोग के लिए जयपुर फुट की टीम, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर एवं जोधपुर की टीम एवं अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। शिविर के अंतिम बाप, फलोदी, तिंवरी एवं मथानियां पंचायत समिति के पंजी—त नि:शक्तजनों को 123 ट्राईसाईकिल, 59 व्हील चेयर, 49 बैसाखी, 198 कान की मशीनें, 53 कैलीपर्स, 2 कृत्रिम हाथ, 33 कृत्रिम पैर कुल 527 उपकरण नि:शुल्क प्रदान किये। इसके अलावा 227 लोगों के कान की जांच अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा की गई। इस शिविर में 11 सिलाई मशीनों का वितरण भी किया गया। संस्थान के सचिव श्री जी.एस.बाफना ने इस सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया। शिविर के समापन समारोह में बद्रीराम जाखड़, जुगल काबरा, राजेन्द्र सोलंकी, सुनील परिहार, हीराराम मेघवाल, हीरालाल मुण्डेल, एडवोकेट करण सिंह राजपुरोहित, हीरा देवी बरवड़, अरूणा चौधरी, कुंती देवड़ा, रेखा लोहिया, राजेश गहलोत, अरविंद गहलोत क्षेत्रीय पार्षद, नारायण डाबड़ी, उम्मेद सिंह गहलोत एवं मथानिया, फलोदी, तिंवरी एवं बाप पंचायत समिति के सभी कार्यकर्ता एवं अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समापन समारोह का संचालन संस्थान के ट्रस्टी जसवंत सिंह कच्छवाहा ने किया।

वृद्धजनों के संरक्षण के लिए कानून चिंताजनक, युवा आगे आयें – श्री अशोक गहलोत

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि वृद्धजनों के संरक्षण के लिए सरकार को कानून बनाने पड़ रहे है। यह चिंताजनक स्थिति है। प्रत्येक वृद्ध का समाज व देश के विकास में अपने सामर्थ्य के हिसाब से योगदान रहता है । इसलिए नौजवान पीढ़ी को वृद्धजनों का पूरा सम्मान करना चाहिए और उनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए और उनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए । श्री गहलोत ने ये विचार सोमवार को जोधाणा जन कल्याण सेवा समिति की ओर से जोधाणा वृद्धाश्रम में हेल्पएज इंडिया व आरईसी लिमिटेड के सहयोग से स्थापित फिजियोथैरेपी सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता कर रहे जेडीए के पूर्व चेयरमैन व नगर निगम में प्रतिपक्ष नेता श्री राजेंद्रसिंह सोलंकी ने कहा कि बदलती जीवन शैली के साथ बुजुर्गो को भी आकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि आरईसी लिमिटेड के चीफ श्री हर्ष बावेजा ने कहा कि वृद्धजनो की मदद के लिए बावेजा ने कहा कि वृद्धजनों की मदद के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमो को उनकी संस्था पूरी मदद कर रही है। हेल्पएज इंडिया के कंट्री हैड मधु मदान मेहता ने कहा कि हेल्पएज इंडिया वृद्धजनों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए देशभर में फिजियो थैरेपी सेंटर स्थापित करने सहित अन्य कार्यो के लिए मदद देती है। इस अवसर पर वृद्धाश्रम और इसकी गतिविधियो में सक्रिय सहयोग के लिए करीब 80 व्यक्तियों का सम्मान किया गया । समिति के सचिव रतनसिंह गहलोत ने स्वागत भाषण दिया। अध्यक्ष गुलाबचंद खीची ने आभार ज्ञापित किया।

वरिष्ठ पत्रकार और मिडिया विशेषज्ञ निरंजन परिहार को राजस्थान दिवस पर महाराज रत्न सम्मान से सम्मानित किऐ जाने पर हार्दिक बधाई

राव की गेर में मजी धमाल

जोधपुर में आयोजित रावजी की गेर में उमड़ा समाज

पीपाड़ में भी होली स्नेह मिलन व गेर का भव्य आयोजन

जोधपुर। होली के दूसरे दिन गुवार शाम को मंडोर क्षेत्र में रावजी की गेर में मेले सा महौल रहा। इस दौरान मण्डोर उद्यान के बाहर पैर रखने भर की जगह नहीं थी। आसपास के भवनों की छतों चबूतरों पर दर्शकों का हुजूम जमा रहा। गेर में राव राजा बने युवक नितेश गहलोत को रंग बिरंगे परिधानों और लता-पताओं से सुसज्जित कर उसके ईर्द-गिर्द चंग की थाप पर गेर की टोलियां नृत्य व गीत गाते हुए सूर्यास्त से कुछ देर पहले मण्डोर उद्यान पहुंची। दोपहर में मण्डोर क्षेत्र के मण्डवता मंदिर चौक से गेर रवाना होकर खोखरिया बेरा पहुंची।जहां सर्वसम्मति से वहां पर क्षेत्र के नवविवाहित नितेश गहलोत सुपुत्र श्री महेन्द्र सिंह गहलोत का चयन बतौर ''राव राजा'' के रूप में किया गया। क्षेत्र के भवाला बेररा, भियाली बेरा, गोपी बेरा, बड़ा बेरा, आमली बेरा, फतहबाग बेरा, फूलबाग, नागोरी बेरा पदाला बेरा की परम्परागत गेरें सामूहिक रूप से शाम करीब सात बजे मण्डोर स्थि5त राव जी के कुण्ड पहुंची। मण्डोर राव की गेर में तीन तीन पीढ़ियां साथ में ढोल नगाड़ों व चंग की थाम पर थिरकते नजर आई। पारिवारिक प्रेम और क्षेत्रवासियों के आपसी प्रेम सौहार्द्र से जुड़े आयोजन में महिलाओं एवं युवतियों ने भी प्रतिबंध के बावजूद बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। मण्डोर उद्यान के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर महापौर श्री घनश्याम औझा,सांसद गजेन्द्र सिंह शोखावत, निगम में प्रतिपक्ष नेता राजेन्द्र सोलंकी, पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, भाजपा जिला अध्यक्ष, व माली समाज के प्रबुद्ध लोगों ने सभी को हार्दिक बधाई दी तथा गेरियों का स्वागत किा। मण्डोर उद्यान के अजित पोल पर भी पुष्पवर्षा कर गेरियों का स्वागत किया गया।

पीपाड़। स्थानीय सूरदास जी की बेरी हनुमान मंदिर में रखे माली समाज के होली स्नेह मिलन समारोह में कष्णा क्लब के अध्यक्ष जीतू सैनी, रामनिवास गहलोत, तुलछाराम सोलंकी, अतुल सिंह कच्छवाहा, रामेश्वर मरोठिया, मेहराम गहलोत सहित समाज के कई युवाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर महात्मा ज्योति बा फूले युवा विकास मंच के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र ने मालियों की आथुणी बास में आयोजित होली पर गैर महोत्सव के दौरान नि:शुल्क मेडिकल व ठण्डे पानी व शरबत की माकूल व्यवस्था की। समाज के युवा वर्ग ने इस अवसर पर समाज में फैल रही बाल विवाह, नशा मुक्ति, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों को मिटाने के शपथ लेने के साथ ही जनसेवा करने का बीड़ा उठाया। धुलण्डी के दूसरे दिन निकली पीपाड़ माली समाज की गैर में समाज के सभी वर्गो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। पारम्परिक वेश-भुशा धोती चोला व गुगरूओं की धुन पर नाचते हुए गैर मालियों की आथुणी बास से रवाना होकर खैरादियों के मौहल्ले से होते हुए मोचीवाड़ा, शहीदों का चौक से सुभाष घाट, खटीकें के मौहल्ले व्यापारियों के मौहल्ले से होती हुई मालीयान सब्जी मण्डी प्रांगण में समापन हुई इस मौके पर सभी गैर वासियों का कन्या क्रांति जिला संयोजक सुमित्रा गहलोत ने अपने आवास से भी गैरियों का गुलाल व पुष्पा वर्ष से स्वागत किया गैर समापन होने पर पीपाड़ नगर पालिका अध्यक्ष श्री महेन्द्र कच्छवाहा ने सभी पुलिस जवानों व प्रशासनिक अधिकारियों को शांति पूर्वक गैर निकलवाने पर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर समाज की अनेकों संस्थाओं एवं समाज के विभिन्न पदाधिकरियों ने समाज बंधुओं को होली की शुभकामनाऐं प्रेषित की।

बिना ड्राइवर के कार चलाई , मोबाइल फोन से किया कंट्रोल छठी पास युवा का कमाल

पोकरण के भोमराज गहलोत ने बनाई मोबाईल से चलने वाली कार

पोकरण। आपने जेम्स बांड को फिल्मो में मोबाइल से कार को चलाते हुए देखा होगा। वही उसी फिल्म के आधार पर गुगल कार का भी निर्माण किया गया। वही गुगल कार तथा जेम्स बांड की फिल्मो से प्रेरित होकर छायण गांव के एक वेल्डर ने ऐसी कार बना दी जो मोबाइल से शुरू होती है। तथा मोबाइल से ही चलती है। मोबाइल से इस कार का स्टेयरिंग घूमता है और इसी से ही कार की रेस बढती है। और कम होती है ऐसा कहने में कोई नही होगी कि यह कार मोबाइल से चलती है।

यह अविष्कार किया है छायण गांव के वेल्डर भोमराज पुत्र पूनाराम गहलोत नें। 28 वर्षीय भोमराज ने इंटरनेट पर गुगल कार देखा तथा उसी की तर्ज पर मोबाइल से चलने वाली कार बनाने का प्रयास किया और पंद्रह दिन की कठिन मेहनत तथा अथक प्रयासो से भोमराज ने यह करिश्मा कर दिखाया। वही भोमराज के हैल्पर के रूप में समंदरसिंह पुत्र नारायणसिंह अपनी सहायता दे रहे है ।

ऐसे बनाया मोबाइल को रिमोट

भोमराज ने बताया कि कार के कंट्रोल व मोटर के साथ रिमोट से चलने वाले खिलौने में प्रयोग होने वाली इलेक्ट्रोनिक प्लेटो को जोडा । कार के डैशबोर्ड पर दो मोबाइल एक्टिव सिम के साथ लगाकर खिलौने के रिमोट सेंसर्स के साथ कनेक्ट किया। इसमे एक मोबाइल से एक्सीलेटर, ब्रेक, क्लच और गियर कंट्रोल कर कार को कही भी घुमाया जा सकता है। कार में लगे मोबाइल का एक कैमरा सामने सड़क का व्यू देता है अपने पास भी दो मोबाइल रखते है जिससे कार में लगे मोबाइल नंबर पर डायल करते है। काल कनेक्ट होने के बाद कार का कंट्रोल आपके मोबाइल पर आ जाएगा। भोमराज ने बताया कि 3जी नेटवर्क पर भी वीडियो कॉलिंग के सिग्नल आने -जाने में तीन सेकेण्ड का समय लगता है जिससे अभी ट्रेफिक में ले जाना रिस्की है। वैसे अभी पूरा अभ्यास भी नही है।

पंद्रह दिन में बनाई रिमोट कार : भोमराज गहलोत ने इंटरनेट पर गुगल कार को देखा तथा गुगल कार की तर्ज पर कार बनाना शुरू किया। उन्होने बताया कि वैल्डिंग की दुकान में काम के बाद फ्री टाइम में उन्होने इस कार को बनाने में जुट गए और पंद्रह दिनो के अथक प्रयासो से कार का निर्माण किया। इस कार को बनाने तथा उपकरण लगाने में कुल 14 हजार रूपए का खर्च आया ।

छठी पास है भोमराज गहलोत : भोमराज ने बताया कि मात्र छठी कक्षा तक ही पढाई की है। सांतवी में फेल मोबाइल आने के साथ ही उनका मोबाइल में तथा मोबाइल से होने वाले कार्यो में रूचि बढने लगी। स्थिति यह हो गई उनके द्वारा मोबाइल से ट्यूबवैल की मशीन को चालू करने के साथ कई अन्य प्रयोग भी सफल रहे।

4जी नेटवर्क और सेंसर मिले तो बन सकती है आकर्षक कार

भोमराज कहा कि यह कार हाल ही में ही की -पैड के मोबाइलो से चलती है। जिसमे 1 नम्बर से बाएं , 3 नम्बर से दाएं , 5 नम्बर से एक्सिलेटर तथा 0 से रेस तथा गियर आदि लगाए जाते है। उन्होने कहा कि 3जी नेटवर्क के दौरान यह कार तीन सेकेण्ड बाद में अपना वीडियो बताती है। अगर 4जी नेटवर्क मिले और सेंसर मिले तो इस कार को ओर भी बेंहतर आकर्षक बनाया जा सकता है।

महात्मा फूले जयंति पर ''द्वितीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर''

अजमेर। सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत, दलितों के मसिहा महात्मा ज्योति बा फूले के जन्मदिन को पूर्व संध्या 10 अप्रैल 2016 को माली (सैनी) संस्थान, अजमेर के तत्वाधान में सार्वजनिक निर्माण विभाग के डाक बंगला, पटेल मैदान के सामने, अजमेर में प्रात: 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक ''द्वितीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर'' का आयोजन किया जायेगा। रक्त दान-महादान के स्लोगन के साथ माली समाज के युवा वर्ग रक्तदान करेंगे जो किसी के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। मानव सेवा के लिए समर्पित रक्तदान कर माली समाज के मसीहा महात्मा ज्योति बा फूले को सच्ची श्रृद्धांजली अर्पित करेंगे। अधिक जानकारी के लिए माली (सैनी) संस्थान, अजमेर के कार्यालय केसर निकेतन, नया घर, गुलाब बाडी, अजमेर पर संपर्क कर सकते है। यह कार्यक्रम जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, ब्लड बैंक, अजमेर के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

श्री महेन्द्र देवड़ा के इंटक अध्यक्ष बनने पर समाज ने किया स्वागत

बीकानेर। माली समाज भवन में यूथ इंटक के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री महेन्द्र देवड़ा का माली समाज बीकानेर द्वारा सम्मान किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता सयुंक्त रूप से सैनी वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम जिला अध्यक्ष श्री वासूदेव सोलंकी, निहाल सिंह सैनी, कैलाश गहलोत, मांगीलाल गहलोत, विकास सोलंकी, सुशील भाटी, राजा भाटी, कपिल देवड़ा, संजय देवड़ा, मनोज गहलोत ने की ।

श्री आशुराम कच्छवाहा ने श्री महेन्द्र देवड़ा की नियुक्ति पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते की तथा संगठन के प्रति उनकी निष्ठा की प्रंशसा की। श्री महेन्द्र देवड़ा ने मजदूर तथा कर्मचारी हेतु इंटक को मजबूत बनाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की तथा भाव विभोर सम्मान समारोह आयोजन को महेन्द्र देवड़ा ने अपनी कर्मनिष्ठा को अधिक बढ़ाने वाला है तथा समस्त माली समाज का हार्दिक आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश माली राजस्थान जनरल सैकेट्री श्री रमेश व्यास को पूर्ण विश्वास दिलाता हू कि बीकानेर इंटक ज्यादा मजबूत होगी व उनके साथ ही आप सभी का तहेदिल से धन्यवाद दिया।

माली सैनी संदेश परिवार श्री महेन्द्र देवड़ा को हार्दिक बधाई प्रेषित करता है।

फार्म - 4 (नियम 8 देखिए)

माली सैनी संदेश (मासिक), जोधपुर

1. प्रकाशन स्थल	:	जोधपुर
2. प्रकाशन अवधि	:	मासिक
3. मुद्रक का नाम	:	मनीष गहलोत
4. क्या आप भारतीय नागरिक है	:	हां
5. प्रकाशक का नाम	:	मनीष गहलोत
6. क्या आप भारतीय नागरिक है	:	हां
7. पता	:	सोजती गेट के अंदर, जोधपुर
8. संपादक का नाम	:	मनीष गहलोत
9. क्या आप भारतीय नागरिक है	:	हां
10. पता	:	सोजती गेट के अंदर, जोधपुर
11. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के समस्त पूंजी के एक स्वामी हो तथा प्रतिशत से ज्यादा भागीदार हो।	:	मनीष गहलोत सोजती गेट के अंदर, जोधपुर

मैं मनीष गहलोत एतद् द्वारा घोषित करता हू कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गए विवरण सत्य है।

मनीष गहलोत

अखिल भारतीय महासभा की बैठक

आज अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री राकेश कुशवाहा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अयोध्या प्रसाद कुशवाहा, राष्ट्रीय सचिव श्रीमती अल्का सैनी, श्रीमती राजकुमारी कुशवाहा, राष्ट्रीय सचिव और मध्य प्रदेश के सदस्यता प्रभाारी श्री लोकमन कुशवाहा, माली समाजके वरिष्ठ समाज सेवी श्री मुन्नालाल, कुशवाहा महासभा इंदौर के अध्यक्ष श्री रामेश्वर कुशवाहा, पूर्व युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मनोज कुशवाहा सहित सैकड़ों सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में 20 मार्च, 2016 को इंदोर में अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की सदस्यता के सामाजिक बंधुओं के साथ मिलकर बैठक की गई। सर्वप्रथम कुशवाहा समाज धर्मशाला के भूमि दानदाता स्वर्गीय श्री हिरालाल कुशवाहा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्वाजंलि अर्पित की गई। इसके पश्चात कुशवाहा महासभा के आगामी चुनाव और उसकी प्रक्रिया पर चर्चा की गई साथ ही सदस्यता ग्रहण करने की शुरूआत की गई। इस अवसर पर उपस्थित समाज बंधुओं ने बढ़ चढ़ कर सदस्यता ग्रहण की तथा और ज्यादा से ज्यादा लोगों को संस्था के सदस्य बनाने की बात कही। समारोह में समाज बंधुओं को सभी प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर आस पास के क्षेत्रों से समाज के सैकड़ों बंधुओं ने उपस्थित दर्ज करा सम्मेलन को सफल बनाया। आयोजकों ने सभी का आभार प्रकट करते हुए वादा किया कि समाज हितार्थ किये जा रहे प्रयासों में किसी भी प्रकार की कोई कमी नही नखी जाऐगी। इस अवसर पर सामुहिक भोज का आयोजन किया गया।

दिल्ली में यूपीएससी कोचिंग हेतु नि: शुल्क छात्रावास

दिल्ली। महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान द्वारा समाज के प्रतिभावन **UPSC** की **IAS/IPS/IFS** की कोचिंग दिल्ली में लेने हेतु नि:शुल्क छात्रावास की सुविधा प्रदान करने का निश्चय किया गया है। समाज के उम्मीदवार जो कोचिंग वर्ष 2016-17 की परीक्षा में भाग लेना चाहते है। वे निर्धारित आवेदन फार्म भरकर शीघ्र भिजवाये। जिन्होंने पूर्व में प्रिलिमनरी उत्तीर्ण कर ली है या स्टेट पी.एस.सी. की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है उन्हें संस्थान द्वारा छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाएगी।

संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकरराव लिंगे, कोषाध्यक्ष रामलाल कच्छावा, उपाध्यक्ष गंगाराम गहलोत, एल.एन. नरेन्द्र बाबू, महासचिव रामनारायण चौहान, सैनी वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के संयाजेक सुभाष सैनी रीको के पूर्व चेयरमेन सुनील परिहार ने बताया कि समाज द्वारा पहली बार यह प्रयास किया है, और समाज के प्रतिभावनों को प्रशासन में भागीदारी दिलाने की पहल का यह शुभारम्भ है। समाज के सभी महानुभावों से अपील है कि वे इस वर्ष 2016-17 की परीक्षा में शामिल हाने वाले उम्मीदवारों के आवेदन संस्थान के **E-mail :- shikshaishara@gmail.com** में शीघ्र भिजवाने में सहयोगी बने।

कामगार सेवा की तीसरी बैठक हुई

फतेहपुर शेखावाटी। मूल ओ.बी.सी. जातियों के हितों के संरक्षण एवं विकास हेतु गठित संस्था ''कामगार सेना, राजस्थान'' की फतेहपुर इकाई मकी तीसरी बैठक जांगिड़ वैदिक विद्यालय परिसर में 9 मार्च 2016 को दोपहर 11 बजे से हुई। बैठक की अध्यक्षता फतेहपुर विधानसभा इकाई के अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार सैनी, एडवोकेट ने की। कामगार सेवा के सीकर जिला संयोजक आचार्य राम गोपाल सैनी ने सुझाव दिया कि मूल ओ.बी.सी. वर्ग के छात्र-छात्राओं के आंकड़े इकट्ठे किये जायें। 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वालो छात्रों तथा राजकीय सेवा में चयनित प्रत्याशियों का सम्मान किया जाये। जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाये तथा बुक बैंक बनाकर उससे पुस्तके उपलब्ध करवाई जाये। सह संयोजक अर्जुनलाल प्रजापति ने कहा कि संस्था की प्रमिमाह 1 मीटिंग ऐसे समय रखी जाये कि सब लोग सुविधापूर्वक आ सकें। श्री दीनदयाल सैनी ने कहा कि यह बैठक शहर के सभी मौहल्लों में घूमती हुई हो। बैठक में श्याम सैनी चांदोलिया, विष्णु सैनी खिजोलिया, सीताराम प्रजापति, चण्डीलाल सैनी पार्षद, मदनलाल सैनी बागड़ी आदि भी उपस्थित थे।

छगन भुजबल की गिरफ्तारी पर महाराष्ट्र विधान सभा में हुआ हंगामा

मुंबई। पूर्व उपमुख्यमंत्री छगन भुजबल को दुर्भावना एवं प्रतिशोधवश गिरफ्तार करने का आरोप लगाकर विरोधी दलों ने विधानसभा में हंगामा खड़ा कर दिया। एन.सी.जी. के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक ने छगन भुजबल की गिरफ्तारी को भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति करार दिया और कहा कि उनकी गिरफ्तारी की जरूरत नहीं थी क्यों कि वे ई डी के साथ सहयोग कर रहे थे।

उन्होंने कहा-प्रवर्तन निदेशालय बिना उनको गिरफ्तार किये आरोप पत्र दाखिल कर सकता था। यह भाजपा शासन की सोच को दिखाती है।

6 कहा, राजनीतिक पार्टियां आरक्षण की मांग को लेकर उदासीन 1614 मई को नवांशहर में होगी जिला स्तरीय बैठक

पंजाब में सैनी समाज नजर अंदाज : चुन्नी

जागरण संवाददाता, जालंधर : सैनी भाइचारे के कन्वीनर व पूर्व सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि देश भर में सैनी समाज ओबीसी की श्रेणी में शामिल है, जबकि पंजाब में समाज को इससे बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि पिछले लंबे समय से सरमकार के समक्ष उक्त मांग रखी जा रही है, जिसे नजरअंदाज किया जा रहा रहा है। 1 बुधवार को जल विलास पैलेस में सैनी भाइचारे की कार्यकारिणी बैठक के बाद पत्रकारों से बातबीच करते हुए उन्होंने कहा कि अपना अधिकार पाने के लिए राज्य भर से सैनी समाज को एक मंच पर एकत्रित किया जा रहा है। इसके लिए सैनी विकास मंच का गठन किया गया है। इस दौरान समाज के चैयरमैन व नवगठित सैनी विकास मंच के बोर्ड सदस्य तरसेम सैनी ने कहा कि पंजाब में नौ से दस प्रतिशत मत सैनी समाज के हैं। बावजूद इसके सत्ता में आने के बाद राजनीतिक पार्टियां समाज को नजरअंदाज कर देती हैं। उन्होंने दावा किया कि इसके लिए नेशनल कमीशन द्वारा 1991 से मंजूरी दी जा चुकी है, जो केंद्रीय विभागों में तो मान्य है, लेकिन पंजाब में नहीं। उन्होंने कहा कि 14 मई को नवांशहर में राज्य स्तरीय बैठक करके सैनी भाइचारे की मिसाल दी जाएगी। राजनीतिक पार्टियां पक्षपात कर रही है, जिसे इस बार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके साथ पटियाला से अजीत सिंह सैनी, मोहाली से हरपाल सिंह, रोपड़ से अजमेर सिंह रोपड़, मोहली से पूर्व जिला परिषद सदस्य पलविंदर कौर, सुरजीत सिंह सैनी, चाइल्ड हेल्पलाईन के प्रधान सुरिंदर सैनी, रणजीत सिंह सैनी, मास्टर लछमनसिंह सैनी, विवेक सैनी, एडवोकेट चरण सिंह सैनी, हरवेल सिंह सैनी, धर्म सिंह सैनी, बहादुर सिंह सैनी व हरजीत सिंह सैनी समाज के अन्य सदस्य मौजूद थे। 6 कहा, राजनीतिक पार्टियां आरक्षण की मांग को लेकर उदासीन् 1641 मई को नवांशहर में होगी।

उज्जैन में प्रतिभाशाली बच्चों को किया पुरस्कृत

उज्जैन। संस्था अ.भा.श्री व्यायामशाला भागसीपुरा में विगत दिनों हुए खेलकूद कार्यक्रम में माली समाज के पूर्व दबंग समाजसेवी स्व. श्री रामचन्द्रजी पहलवान की स्मृति में बच्चों को पुरस्कार प्रदान किये गए। पुरस्कार प्रदान करते संस्थाध्यक्ष श्री रामचन्द्रजी, समाज के प्रांतीय सचिव व वनमाली पत्रिका के सम्पादक श्री गजानंद रापी, श्री सत्यनारायण शास्त्री, श्री विनोद उपस्थित थे।

पीले चावल बांटकर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण

संत लिखमीदास महाराज मन्दिर अमरपुरा का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

माली समाज के संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज के नागौर जिले के अमरपुरा में समाधि स्थल पर संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज स्मारक विकास संस्थान की ओर से अखिल भारतीय माली समाज के सहयोग के निर्मित संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज के मन्दिर एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा आयोजन का कार्यक्रम तय कर दिया गया है।

मन्दिर व मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेने के लिए स्मारक विकास संस्थान अध्यक्ष व पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने कस्बे सहित माली समाज के 12 गांवों के स्वजातीय लोगों से सम्पर्क कर पीले चावल देकर शिरोमणि लिखमीदास महाराज स्मारक विकास संस्थान अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत ने बताया कि मन्दिर निर्माण लगभग पूर्ण हो गया है तथा नवनिर्मित मन्दिर एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम तय हो गया है। इसके तहत एक से पांच दिसम्बर तक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जायेगा।

समाज के 12 गांवों के लोगों ने लिया भाग

इस मौके पर समदडी के पूर्व सरपंच बाबूलाल परिहार बालोतरा नगर निगम के पूर्व चेयरमेन महेश बी चौहान, स्मारक विकास संस्थान के राधाकिशन तंवर, भामाशाह भगाराम कच्छवाह, मोहनलाल सोलंकी, मगराज गहलोत, चम्पालाल सोलंकी, अचलाराम कच्छवाह, भगाराम सोलंकी, राणाराम सोनाराम व पूनमराय सहित बडी संख्या में माली समाज के 12 गांवों के लोग मौजूद थे। इस मौके पर धुंधाडा, रामपुरा मियों का बाडा, पातों का बाडा, अजीत, भलरों का बाडा, भानावास, रानी देशीपुरा, समदडी व जेठंतरी सहित कई गावों के माली समाज के प्रबुद्धजन मौजूद थे

जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया ने किया माली समाज की जिला कार्यकारिणी का गठन

राकेश माली (सैनी) समाज के युवा मोर्चा उनियारा तहसील अध्यक्ष मनोनीत

टोंक । जिला माली (सैनी) युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की संयुक्त बैठक मालियों की धर्मशाला उनियारा में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र उर्फ बबलू टैंकर व महिला मोर्चा अध्यक्ष बबीता सैनी की अध्यक्षता आयोजित हुई। युवा मोर्चा वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल सैनी ने बताया कि माली समाज जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया के निर्देशानुसार युवा मोर्चा कार्यकारिणी के विस्तार को लेकर उनियारा में बैठक जिला पदाधिकारियों ने समाज के युवाओं की ली, जिसमें युवा मोर्चा तहसील अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर विचार विमर्श किया गया। जिसके दौरान बैठक में सर्वसम्मति से राकेश सैनी उनियारा तहसील अध्यक्ष चुना गया। वहीं महिला मोर्चा उनियारा तहसील अध्यक्ष को लेकर भी विचार विमर्श किया गया, लेकिन सर्वसम्मति नहीं मिलने से अध्यक्ष चुनाव नहीं हो पाया। बैठक में उपस्थित माली (सैनी) समाज युवाओं को सम्बोधित करते हुए युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र उर्फ बबलू टैंकर ने कहा कि जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया के निर्देशानुसार जिले में तहसील स्तर पर तहसील अध्यक्षों को चुना जाकर समाज का उत्थान व विकास करने व समाज में फैली कुरूतियों को खत्म करने के लिए उन्हे समाज में समाज में जागरूकता लाने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी जायेगी। बैठक में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बबीता सैनी ने कहा कि महिलाएं अपने परिवार के साथ-साथ आज समाजोत्थान में भी अपनी अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में समाज की भलाई के लिए कुछ कर दिखाने की जागरूकता उत्पन्न होने लगी है। बैठक में जिला कार्य समिति महामंत्री एडवोकेट लाभचंद अजमेरा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष संगठन राहुल सैनी, शंकर लाल अध्यापक, विष्णु दयाल सैनी, श्रीमती सुनिता सिंगोदिया, श्रीमती माया देवी, अचलेश सैनी, डॉ. विष्णु सैनी, कालूराम सैनी, संजय उर्फ संजू सैनी, ताराचंद सैनी सहित कई कार्य समिति व समाज के लोग मौजूद रहे।

जोधपुर का ऐतिहासिक

शीतलाष्टमी मेला

जोधपुर में सदियों से यह मेला छूआछूत, जाति पांति, संप्रदाय धर्म के भेदवाव रहित कागा में आयोजित होता आया है। यह सर्वधर्म समन्वय मेला है। सभी जाति संप्रदाय और धर्म के अमीर – गरीब का मेला है। शीतलाष्टमी मेला जोधपुर का एक प्रमुख मेला है जो नागोरी द्वार के बाहर से कागा तीर्थ स्थल की सुरम्य पहाड़ियों के बीच तक भरता है। जो चैत बदी अष्टमी को सूर्योदय पूर्व ब्रह्मबेला मे जोधपुर शहर व आस पास के श्रद्धालु जनता की पूजा अर्चना प्रार्थना, भेंट से प्रारंभ होता है वैसे तो दर्शनार्थी अपनी सुविधानुसार अमावस्या तक माता के दरबार में उपस्थित होकर पूजा प्रार्थना मनौती आदि करते है। मेले का विशाल व भव्य रूप सात दिन तक ही अपनी चरम सीमा पर रहता है। मेले के समय में शहर व आस पास के हजारों लाखों श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। मेले मे कागा क्षेत्र मंदिर तक प्रसाद, मिठाईयाँ आदि की दुकानें लगती है। मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रकार के झूले लगाये जाते है। इस मेले का मुख्य आर्कषण जोधपुर शहर व आसपास के गांवों से आने वाली टोलियां (गैर) होती हैं जो होली के विभिन्न रंगों की वेशभूषा पहन चंग की थाप पर थिरकते पैर के साथ फाग गाते हुए आते है। वातावरण हर्षोल्लास व आनंदमय होता है। यहाँ तक विदेशी पर्यटक भी नाचते गाते भाग लेते देखे जाते है।

अष्टमी के दिन माता को लगाए जाने वाले भोजन को ठंडा कहा जाता है। जिसे गृहणियां तैयार करती है, जिसमें हलवा, मिठाईयाँ, नमकीन, मीठी पापड़ी आदि बनाए जाते है। इन पकवानों के साथ राबड़ी विशेष रूप से बनाई जाती है। अष्टमी के दिन घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता ह। सभी श्रद्धालु माँ को ठंडा भोग लगाकर दिनभर ठंडा भोजन ही करते है। महिलाएं अपने बच्चों को माँ के चरणों में लौटाती है तथा उनके स्वस्थ व दुरस्त रखने की कामना करती है।

कुछ बड़े बुजुर्गो का कहना है कि इस मंदिर की स्थापना के पूर्व लोग अपने घरों में माता की प्रतिमा स्थापित कर चित्र बनाकर दूध – दही से स्नान कर पूजा करते थे। ऐसा आज भी कई घरों में होता है। यह प्राचीन काल से ही चेचक जैसी भंयकर बीमारी के प्रकोप के कारण माता का कुपित होना माना गया है व इससे छुटकारा पाने के लिए ही माता के पूजन को घर–घर में स्वीकारा गया है।

इतिहास के विषय में यह भी एक दंत कथा है कि शीतला माता पूर्व में जोधपुर किले में स्थापित थी। माली पुष्प प्रसाद से पूजा अर्चना वहाँ जाकर करते थे, परंतु मारवाड़ राजघरानों में पहले शीतला सप्तमी मनाने का रिवाज था। महाराज विजय सिंह जोधपुर दुर्ग में ही अपने वंशजों के साथ माता की पूजा अर्चना करते थे और माली समाज के लोग पुष्प प्रसाद से पूजा अर्चना करते थे। महाराजा विजय सिंह के शासनकाल में शीतला सप्तमी के दिन महाराजा के 17 वर्षीय पुत्र सरदार सिंह की मृत्यु हो गई थी, इस अकाल मृत्यु से माहाराजा की आस्था को इतनी ठेस पहुंची कि उन्होंने गुस्से में आकर प्रतिष्ठित शीतला माता की प्रतिमा को अपने वजीरों व सेनापतियों की सहायता से महावतां को बुलाकर हाथियों के पांवों से रौंदते हुए कागा के निर्जन स्थान पर फैंक दिया और राजा ने नगर में ढिढ़ोरा पिटवा दिया कि कोई भी अब शीतला सप्तमी के दिन माता की पूजा नहीं करेगा।

कहते है कि माता की मूर्ति को दुर्ग में जाकर जो माली लोग पुष्प प्रसाद से पूजा अर्चना करते थे इस चमत्कारी माता को उठाकर विक्रम संवत 1857 चैत्र वदी सप्तमी को शीतला माता को कागा क्षेत्र में पहाड़ों में मंदिर बनाकर प्रतिष्ठित कर दिया तथा वहीं इस की पूजा अर्चना आरंभ कर दी। माता ने कई चमत्कार दिखाएं, जिससे उनकी ख्याति दूर–दूर तक फैलने लगी तथा हजारों लोग माता की पूजा अर्चना करने लगे। यह भी कहते है कि माता की कृपा से अष्टमी के दिन माहाराजा को पुन: पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई। इसी खुशी में महाराजा ने शीतला माता के मंदिर को भव्य बनाया। अष्टमी के दिन राजशाही ठाट – बाट से जोधपुर दुर्ग से पूजा यात्रा कागा तक प्रारंभ हुई। महाराजा ने स्वयं मंदिर में प्रवेश कर मां की पूजा अर्चना की। तब से लेकर श्री शीतला माता का मेला मारवाड़ राज्य में अष्टमी को होने लगा जबकि राजस्थान के अन्य रजवाड़ों मे यह मेला सप्तमी को होता है।

शीतला माता का मेला एक दिन केवल स्त्रियों के लिए ही होता है। शेष दिन सभी जाते है मंदिर के पास ही गंगा मैय्या का एक पवित्र कुण्ड है तथा पास ही दिवान श्री दिपचंद की छतनी बनी हुई है। जिसमें उनकी विद्यमान है। यह कागा भुषंड़;षि की तपो भूमि है।

वर्ष 1978 को इस मंदिर का ट्रस्ट बना था तथा वर्ष 1998 को इस ट्रस्ट को पुन: गठन किया गया। जिसमें समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी श्री माधोसिंह कच्छवाहा, सचिव श्री जसवंत सिंह कच्छवाहा, कोषाध्यक्ष श्री खेमसिंह गहलोत, प्रचार मंत्री श्री गौरीशंकर गहलोत के साथ ही करीब 50 सदस्य बनाये गये। वर्तमान ट्रस्ट ने दीर्घकालीन योजना बना कर मंदिर को नया स्वरूप प्रदन किया है तथा मेले को अंतराष्ट्रीय स्तर का मेला बनाने का प्रयास कर रहे है। ज्ञात रहे इस मंदिर में शुरू से ही माली पुजारी ही है।

पूर्व राजस्व अधिकारी श्री कृष्ण सैनी बने दिल्ली विद्युत विनियामक के चैयरमेन

नई दिल्ली। श्री कृष्ण सैनी दिल्ली विद्युत विनियामक (डीईआरसी) का चैयरमेन नियुक्त किया गया। श्री कृष्ण सैनी दिल्ली के बिजली के माननीय मंत्री श्री सत्यनारायण जैन द्वारा श्री कृष्ण को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री सैनी का चयन डीईअरसी के नए अध्यक्ष विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 85 के तहत गठित चयनित समिति की सिफारिश पर किया गया है।

नियुक्त आदेश माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 24 फरवरी, 2016 द्वारा दी गई अनुमति के अनुसार की गई है। नियुक्ति रिट याचिका के परिणाम के अधीन होगी (सी.) नं. 1105/2015 रमन सूरी बनाम के रूप में शीर्षक भारत और अन्य माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।

श्री कृष्ण सैनी 1981 बैंच के भारतीय राजस्व सेवा के एक अधिकारी, भारत सरकार में विभिन्न वरिष्ठ स्तर के पदों पर काम करने का 35 वर्षो का अनुभव है। उन्होंने वित्त, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, खातों, कानून, न्याय निर्णयन, वित्तीय व्कत्वयों और अनियमिततताओं का पता लगाने की लेखा परीक्षा के क्षेत्रों में काम किया है। श्री कृष्ण हाल ही में मुख्य आयकर आयुक्त के रूप में सेवानिवृत हुए है। वह ला ट्रोब विश्वविद्यालय, मेलबार्न, आस्ट्रेलिया और एमएससी से एमबीए किया है, स्नान, ब्रिटेन के विश्वविद्यालय से (राजकोषीय अध्ययन) भी किया है। हम सभी श्री कृष्ण सैनी की नियुक्ती पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाऐं प्रेषित करते है।

समाज सूधार किसी एक व्यक्ति से नहीं हो सकता – श्री राजेन्द्र गहलोत

समारोह में नव नियुक्त अध्यक्ष श्री ऊँकारराम कच्छवाहा का किया गया स्वागत

भोपालगढ़। पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि समाज का सुधार किसी एक व्यक्ति से नहीं हो सकता है और अकेला आदमी कुछ नहीं कर पाता है। श्री राजेन्द्र गहलोत ने यह बात पालड़ी राणावतां गांव में आयोजित माली समाज की बैठक में कही। उन्होंने नागौर में निर्माणधीन संत श्री लिखमीदास मंदिर के निर्माण के लिए सहयोग का भी आव्हान किया और सहयोग राशि जुटाई। सामाजिक कार्यकर्ता श्री राजाराम टाक ने बताया कि माली समाज की ओर से नागौर में बनवाए जा रहे संत लिखमीदास के मंदिर निमार्ण को लेकर समाज के क्षेत्रीय लोगों से विचार-विमर्श करने एवं इनका सहयोग जुटोने के लिए मंगलवार को माली समाज की बैठक हुई। जिसमें नगौर में बन रहे श्री लिखमीदास मंदिर निर्माण में लोगों से सहयोग जुटाया।

बैठक में अखिल भारतीय माली समाज अध्यक्ष श्री ऊँकारराम कच्छवाहा ने कहा कि समाज के नाम पर बनाएं जाने वाले किसी भी संस्थान अथवा मंदिर के निर्माण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की उसकी श्रद्धा के मुताबिक भागीदारी होनी चाहिए। पूर्व मंत्री एवं मंदिर समिति अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गहलोत एवं श्री ऊँकारराम कच्छवाहा के आव्हान पर बैठक में मौजूद भोपालगढ़ क्षेत्र माली समाज के लोगों ने लाखों रूपये की राशि एकत्रित की। इस मौके पर पूर्व पंचायत समिति सदस्य श्री जयप्रकाश देवड़ा, श्री सुखराम टाक, श्री आशाराम टाक, श्री डूंगरराम टाक सहित सैकड़ों माली समाज के लोग मौजूद थे।

नारी शिक्षा की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फूले की 119वीं पुण्य तिथि पर देश भर में हुए विभिन्न कार्यक्रम शिक्षा के लिए जागृति का आव्हान

निमाज। कस्बे के पशुमेला चौक में स्थित राजकीय सावित्रीबाई फूले कन्या छात्रावास में गुरुवार को नारी मुक्ति आन्दोलन की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फूले की 119वीं पुण्य तिथि मनाई गई। इस मौके पर समाजसेवी महेन्द्र चौहान बर ने सावित्रीबाई की जीवनी के बारे में बताते हुए कहा कि वे एक ऐसी महिला थी जिन्होंने भारतीय नारी को पहली बार सम्मान के साथ जीना सिखाया था। कार्यक्रम के दौरान निमाज ठाकुर भगवतीसिंह ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों का त्याग कर बालिका शिक्षा पर जोर देना चाहिए एवं नारी फक्ति का सम्मान करना चाहिए।

श्रीमती रूपवती देवड़ा सदस्य किशोर न्याय बोर्ड जोधपुर ने कहा कि सावित्रीबाई फूले ने समाज में बालिका शिक्षा की अलख जगाई एवं महिलाओं को सशक्त करने का काम किया। इस अवसर पर मोतीबाबा फूले, राष्ट्रीय अध्यक्ष महात्मा ज्योतिबा फूले जागृति मंच जयपुर, श्री ऊँकारराम कच्छवाहा अध्यक्ष प्रदेश माली महासभा, जयपुर, निमाज सरपंच गोरधनलाल बावरी, अमराराम भाटी जैतारण, शर्मिला राजपुरोहित, मिश्रीलाल सोलंकी जिलाध्यक्ष पाली, भामाशाह रामप्रकाश माली जैतारण, रामनारायण गौड़, नारायणलाल प्रजापति, अमरजीतसिंह जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय शिक्षक संघ पाली, घनश्याम गौड़, मुककनदास वैश्णव, मोटाराम माली, पन्नालाल भाटी, गणपतलाल दगदी, सम्पतराज भाटी, गणपतलाल गहलोत, चेनाराम दगदी सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

भीलवाड़ा 10 मार्च। शिक्षा समाज की धुरी है कोई भी समाज शिक्षा के माध्यम से न केवल प्रगति पर आगे बढ़ सकता है। अपितु देश के भीतर आमूलचूल परिवर्तन भी ला सकता है। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले इसका अनुकरणीय उदाहरण है। सभी महिलाओं को उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिये। यह विचार फूले सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपाल लाल माली ने व्यक्त किये। वे यहां पर देवरिया बालाजी के समीप महात्मा ज्योतिबा फूले प्रतिमा प्रांगण में सावित्री बाई फूले की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर बोल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि सावित्री बाई फूले देश की पहली महिला अध्यापिका व नारी मुक्ति आंदोलन की पहली नेता थी। लेकिन एक ऐसी महिला जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में छुआ-छूत, सतीप्रथा, बाल-विवाह, तथा विधवा-विवाह निषेध जैसी कुरीतियां के विरूद्ध अपने पति महात्मा ज्योतिबा फूले के साथ मिलकर काम किया पर उसे आज हिंदुस्तान ने भुला दिया। ऐसी महिला को हमारा शत: शत: नमन।

विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत सहायक आयुक्त शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के डॉ. दीपचंद सोलंकी ने कहा कि सावित्रीबाई फूले एक साधारण परिवार में जन्मी महिला थीं, लेकिन उन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिला शिक्षा की शुरुआत में कठिन चुनौतियों का सामना किया था। उन्नीसवीं सदी में छुआ-छूत, सतीप्रथा, बाल-विवाह तथा विधवा-विवाह निषेध जैसी कुरीतियां बुरी तरह से व्याप्त थीं। उक्त सामाजिक बुराईयां किसी प्रदेश विशेष में ही सीमित न होकर संपूर्ण भारत में फैल चुकी थीं। महाराष्ट्र के महान समाज सुधारक, विधवा पुनर्विवाह आंदोलन के तथा स्त्री शिक्षा समानता के अगुआ महात्मा ज्योतिबा फूले की धर्मपत्नी सावित्रीबाई ने अपने पति के सामजिक कार्यों में न केवल हाथ बंटाया बल्कि अनेक बार उनका मार्ग-दर्शन भी किया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि यूनेस्को एसोसिएशन के अध्यक्ष देवकिशन आचार्य व सचिव अरविन्द कुमार चौधरी ने सावित्री बाई फूले की शिक्षाओं को जीवन में उतार कर एवं उन पर अमल करने पर जोर दिया तथा शिक्षा क्षेत्र में हाल ही हो रहे आमूलचूल परिवर्तनों को भी अपनाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन फूले सेवा संस्थान के सचिव शोभालाल माली ने किया।

कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा सावित्री बाई फूले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंली दी। इस अवसर पर प्रकाश तुन्दवाल सहित संस्था के अनेक लोग उपस्थित थे।

टोंक । ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज टोंक द्वारा भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की 119वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज संगठन के जिलाध्यक्ष पांचूलाल सैनी ने कहा कि सावित्री बाई फूले देश की प्रथम महिला शिक्षिका थी, जिन्होंने अपने पति महान समाज सुधारक महात्मा फूले के साथ जीवन भर बाल विवाह सती प्रथा, छुआछूत आदि तमाम सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए संघर्ष किया।

इस अवसर पर संगठन के जिलाध्यक्ष रमेशचंद सैनी रहमानदिया ने सभी युवाओं को महात्मा फूले व सावित्री बाई फूल के विचारों को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर निवाई तहसील अध्यक्ष सोमेश्वर सैनी, उपाध्यक्ष गणेश सैनीख कोषाध्यक्ष प्रहलाद सैनी, जिला उपसचिव धन्नालाल सैनी, कार्यालय मंत्री भगवान सहायक सैनी, भरत सैनी, रामअवतार सैनी सहित कई लोग मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

ज्योति मौर्या बनी एसडीएम

आजमगढ़। लोक सेवा आयोग की लोअर सबआर्डेनेट 2013 परीक्षा में सहकारी निरीक्षक के लिए चयनित हो चुकी समीक्षा अधिकारी से बनी ज्योति मौर्या एसडीएम बन गई है। मूलत: जाजमगढ़ की रहने वाली ज्योति अल्लापुर में रहकर तैयारी करती है। वह वर्तमान में सचिवालय में समीक्षा अधिकारी के पद पर तैनात है।

ज्योति ने अपनी सफलता का श्रेय दिशा एकेडमी के लोक प्रशासन विषय के विशेषज्ञ शिक्षक डी एन पांडेय को देती है। माली सैनी संदेश परिवार ज्योति को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए शुभकानाएं प्रेषित करता है।

माली समाज की न्यात आयोजित

बर-मारवाड़। उपखण्ड क्षैत्र के दीपावास रोड़ स्थित बेरा नवादिया रायपुर में शुक्रवार को माली समाज की न्यात आयोजित की गई। इस मौके पर माली समाज के जैतारण पट्टी सहित कई बड़े क्षैत्रों से माली समाज सहित 36 कौम के लोगों ने हजारों की तादाद में गंगा मैया का प्रसाद ग्रहण किया। ये आयोजन कुजंड़ा गहलोत परिवार की तरफ से आयोजित किया गया। इस मौके पर रायपुर के माली समाज प्रमुख व न्यात आयोजित कर्ताओं ने जैतारण पट्टी के समाज बंन्धुओं से प्रसादी की अनुमति मांगी अनुमति के बाद हजारों लोगों व महिलाओं ने अपने परिवार सहित प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर समाज के कन्हैयालाल चौहान बर समाज बन्धुओं की अगुवाही की।

आयोजन के दौरान जैतारण में आगामी 17 अप्रेल को आयोजित होने वाले सामुहिक विवाह समिति के पदाधिकारीयों ने समाज बुन्धओं को आयोजन में सहयोग देने तथा सामुहिक विवाह में जोड़े लाने का आग्रह किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अमरराम भाटी राबड़ियावास, भैणाराम गहलोत, किशनलाल सांखला, चैनाराम भाटी, रायपुर सरपंच व सरपंच संघ अध्यक्ष चैनाराम माली, भामाशाह रामप्रकाश गहलोत जैतारण, समाजसेवी महेन्द्र चौहान बर, श्रवणलाल माली रायपुर, तुलसीराम माली रायपुर, श्यामलाल पंच जैतारण, सहित हजारों की तादाद में समाज बंन्धु उपस्थित रहे।

शहर के प्रमुख समाजसेवी हकीम बिरधीचंद की अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोग

टोंक । प्रदेश के जाने-माने हकीम स्व. शंकर अवतार के पुत्र शहर के प्रमुख समाज सेवी हकीम बिरधीचंद सैनी (शंकर दवाखाना) का गुरूवार की शाम को लम्बी बीमारी के बाद जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में निधन होने के बाद शुक्रवार सुबह उनकी अंतिम यात्रा में सैकड़ों की संख्या में शहरवासी शामिल हुए ।

स्व. हकीम बिरधीचंद सैनी का जन्म 7 जुलाई 1944 को टोंक शहर में हुआ और इनकी प्रारम्भिक शिक्षा टोंक शहर में एवं आगे की उ%च शिक्षा सन् 1967 में जयपुर के यूनानी कॉलेज से प्राप्त की ।जिसके पश्चात स्व. बिरधीचंद हकीम साहब ने टोंक शहर को अपना कर्म क्षेत्र बनाकर इस आधुनिक युग में भी सेवाभागव लग्न से यूनानी पद्धत्ति का लोहा मनवाया जो आज शंकर दवाखाना के नाम से शहर के पुरानी टोंक स्थित है, उन्होंने टोंक, जयपुर ही नहीं सभी रा%यों व खाढ़ी देशो के कई मरीजों को की सेवा दी। साथ ही उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में अपनी सेवा देते हुए संतोषी माताता मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष पद एवं माली (सैनी) समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के अध्यक्ष पद पर काबिज रहते हुए सामाजिक कार्यो का दायित्व पूर्ण निष्ठा के साथ निभाया। हकीम बिरधीचंद सैनी पिछले एक वर्षो से बीमारी से ग्रसित थे, जिनका उपचार जयपुर में जारी था, गुरूवार की शाम को उन्होंने जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। जिनका शव को देर रात टोंक लाया गया और शुक्रवार की सुबह उनके निवास स्थान से अंतिम यात्रा निकाली गई जो शहर के मुख्य मार्ग घटाघर से होते हुए बहीर से ढाबा का बालाजी स्थित शमशान में अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में सभी समाज के लोग शामिल हुए । स्व. बिरधीचंद सैनी अपने पीछे दो पुत्र एवं तीन पुत्रियां व पौत्र सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर गये है।

माली (सैनी) समाज के जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया ने कहा कि स्व. बिरधीचंद सैनी शहर के प्रमुख समाजसेवकों में से एक थे, वे अपने जीवनकाल में सभी समाज के लोगों को साथ लेकर सामाजिक कार्यो में अपनी भागीदारी निभाते थे ।उनके निधन से चिकित्सा जगत, समाज व धर्म को जो हानि हुई है उसकी पूर्ति होना संभव नहीं है। अंतिम यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष गणेश माहुर, समाजसेवी एडवोकेट हरिकिशन शर्मा, मणिकान्त गर्ग, एड़वोकेट छोटेलाल सौलंकी, पुष्कर लाल सैनी, दिनेश चौरासिया, राजीव बंसल, व्यापार संघ अध्यक्ष विष्णु गुप्ता, मोहन सोनी, टोंक सदर अध्यक्ष शंकरलाल धुवारिया, माली समाज युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र उर्फ बबलू टैंकर, मोरपाल गुर्जर, पूर्व माली समाज जिलाध्यक्ष रमेश गढ़वाल, पूर्व पार्षद बालमुकन्द सैनी, कमलेश सैनी पत्रकार, वृद्धावन भगत, पूर्व पार्षद विनोद राय, अनिल टिक्कीवाल, जगदीश सैनी सहित सैकड़ों की संख्या में सभी समाजों के लोग मौजूद थे ।

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व॰ श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं॰ महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी॰ डी॰ पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व॰ श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर, तिंवरी
श्रीमती अंजू गहलोत , तिंवरी
श्री केवलराम गहलोत, तिंवरी
श्री रामेश्वर परिहार, तिंवरी
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी देवड़ा, तिंवरी
सरपंच श्रीमती गुड्डी परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह गहलोत, तिंवरी
श्री मोहित गहलोत, तिंवरी
श्री जेनाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा परिहार (उप प्रधान), तिंवरी
श्री चेनाराम देवड़ा, तिंवरी
श्री अरविंद सांखला, तिंवरी

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई.
सहित पांच हजार पाठकों
का विशाल संसार

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 8 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जार रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है। हमारी वेब साईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है। एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई- पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के सभी अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु. 300/- | **पांच वर्ष रु. 700/-** | **आजीवन रु. 3100/-**

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन./मोबाईल _____ ई-मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अत: मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

माली सैनी संदेश पोस्ट बॉक्स नं. 9, जोधपुर

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org E-mail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक
गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी
जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि

हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे
देश ही नहीं विदेश में भी।

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-
Color Page	2,500/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

पुष्कर में आयोजित महा-शिवरात्री महोत्सव की झलकियां

समारोह में उपस्थित प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष श्री ऊँकारराम कच्छवाहा, महात्मा फूले जागृति मंच के उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गहलोत एवं मालियान नवयुवक मण्डल के पदाधिकारी, समाज की मातृ शक्ति के साथ क्षेत्रिय समाज बंधुगण

जोधपुर में महामंदिर स्थित हितेश परिहार पुत्र किशोर सिंह परिहार (वरिष्ठ समाजसेवी) के नवीन प्रतिष्ठान परिहार कॉम्यूनिकेशन का शुभारंभ करते पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व जेडीए चेयरमेन राजेन्द्र सोलंकी, पूर्व भाजपा शहर अध्यक्ष नरेन्द्र कच्छवाहा, हरिद्वार धर्मशाला के मंत्री किशोर सिंह सांखला सेवा दल कांग्रेस के अध्यक्ष हरेन्द्रसिंह

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज द्वारा समाज के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान

जनपद हरिद्वार। पंचायत चुनाव में माली सैनी समाज के निर्वाचित सभी जिला पंचायत, ग्राम प्रधान, सदस्य छेत्र पंचायत का ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीपाली सैनी, पूर्व गृह एवं शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्रीराम सिंह सैनी, उत्तर प्रदेश सरकार कैबिनेट मंत्री श्री धर्मसिंह सैनी यूकेडी नेता राजकुमार सैनी, राज्य मंत्री उत्ताराखण्ड विरेन्द्र सैनी संगठन कार्यालय प्रभारी दिल्ली राजेश कुमार सैनी सहित दिल्ली उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड से राजनैतिक सामाजिक संगठनों के प्रबुद्ध समाज सेवी।

स्वत्वाधिकारी सम्पादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक मनीष गहलोत के लिए
भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस सेक्टर 7,
जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर से प्रकाशित।
फोन : 9414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR